ड्रोन बताएगा, ट्रांसफॉर्मर व बिजली लाइन में कहां आने वाला है फॉल्ट

- बिजली नेटवर्क में बड़ा फॉल्ट आने से पहले ही उसे दुरूस्त कर लिया जाएगा
- उपभोक्ताओं को मिलेगी पहले के मुकाबले और बेहतर बिजली आपूर्ति

नई दिल्लीः 20 फरवरी। बिजली के ट्रांसफॉर्मरों व लाइनों में संभावित फॉल्ट्स का पता लगाने के लिए बीएसईएस अब ड्रोन का सहारा लेगी। अत्याधुनिक इंफ्रारेड थर्मो स्कैनिंग तकनीक व हाई रेजोलूशन कैमरों से लैस ये ड्रोन बीएसईएस के ट्रांसफॉर्मरों, फीडरों, ग्रिड स्टेशनों, केबलों, कैपेसिटर्स, आदि में होने वाले छोटे–से–छोटे बदलावों पर भी आसमान से नजर रखेंगे। ये स्पेशल ड्रोन इस बात का पता लगाने में सक्षम होंगे कि बिजली नेटवर्क का कौन सा उपकरण ज्यादा गर्म हो रहा है और किस उपकरण के रंग या आकार में बदलाव हो रहा है। इसका पता लगते ही ड्रोन संभावित फॉल्ट वाले उपकरण की फोटो खीचेंगे और उसे बीएसईएस के कंट्रोल रूम में भेज देंगे। इसके बाद बीएसईएस की ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस टीम अविलंब उस पर ऐक्शन लेगी और उस संभावित फॉल्ट को दुरूस्त कर देगी। इस तरह कोई बड़ा फॉल्ट होने से पहले ही उस उकरण को ठीक कर लिया जाएगा, जिससे बिजली उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। बीएसईएस के 42 लाख उपभोक्ताओं को पहले के मुकाबले बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में ड्रोन अब सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि बिजली नेटवर्क किसी उपकरण के रंग या आकार में मामूली सा बदलाव भी इस बात का संकेत है कि वहां फॉल्ट आने की संभावना है।

बिजली नेटवर्क की पेट्रोलिंग करने के अलावा, ड्रोन बिजली की चोरी पकड़ने में भी मदद करेंगे। ड्रोन पता लगाएंगे कि कहीं बीएसईएस के तारों व पोल पर कटिया डालकर बिजली की चोरी तो नहीं हो रही है। इसके अलावा, ड्रोन 950 वर्ग किलोमीटर में फेले बीएसईएस के बिजली नेटवर्क की मैपिंग करने में भी मदद करेंगे। यानी कौन सा पोल, किस गली में है और किस घर या दुकान के सामने है–– इसका डेटा भी ड्रोन बीएसईएस को देंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि बिजली लाइनों व उपकरणों में फॉल्ट आने की स्थिति में बीएसईएस के इंजीनियर व लाइनमैन तंग व लंबी गलियों वाले मोहल्ले में भी जल्दी पहुंचेंगे। कई अनाधिकृत कॉलोनियों में मकानों के नंबर एक क्रम में नहीं हैं, जिससे फॉल्ट आने या आग लगने जैसी इमरजेंसी की स्थिति में बीएसईएस टीम को अड्रेस ढूंढने व सही जगह पर पहुंचने में वक्त लगता है। लेकिन, नेटवर्क की सटीक मैपिंग से तैयार ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम की मदद से बीएसईएस टीम वहां कम समय में पहुंच पाएगी।

ड्रोन यह भी बताएंगे कि बीएसईएस इलाके में कितनी छतों पर रूफऑप सोलर पावर प्लांट लगाने की संभावना है। साथ ही, लोगों द्वारा बीएसईएस के पोल, ट्रांसफॉर्मर आदि के अतिक्रमण का पता भी ड्रोन लगाएंगे। कहीं पर यदि छज्जे को बढ़ाकर पोल को घर या बालकनी के अंदर लेने का प्रयास हो रहा है, तो ड्रोन बीएसईएस को इसकी सूचना देंगे, ताकि बीएसईएस इस पर तुरंत कार्रवाई कर सके।

इस बीच, पहले चरण में पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज और विवेक विहार में ड्रोन तैनात किए गए हैं। उधर, हाल ही में पश्चिमी दिल्ली के पश्चिम विहार व बुडेला इलाकों में भी पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ड्रोन तैनात किए गए थे। गरूडा यूएवी बीएसईएस के लिए ड्रोन का परिचालन कर रही है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....